श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना
इंजीनियर सरकारी

समस्या इंजीनियर सरकारी

1. आज हमारे भारत मे । इंजीनियर बनना । बुध्दिमत्ता की निशानी है । जो कठिन पढ़ाई के बाद । इंजीनियर बनने का । सपना पूरा होता है ।
2. आज हमारे देश मे । हर विषय की पढ़ाई होती है । लेकिन सदाचार के विषय की । पढ़ाई नही होती है । यदि थोडी बहुत होती भी है । तो पढ़े लिखे समझदार लोग । सदाचार के उपयोग को । जीवन मे अमल मे नही लाते । क्योंकी । अधिक से अधिक धन कमाने के लिए । सदाचार नियमों को ताक पर रख कर ही । अधिक से अधिक धन कमाया जा सकता है ।
3. सरकारी इंजीनियरों की । देश के जन कल्याण के लिए । बडे बडे प्रोजेक्टों की निगरानी की जिम्मेदारी होती है । ताकि जन कल्याण के साथ । जन धन । की हानि को भी रोका जा सके ।
4. लेकिन हमारे । सरकारी इंजीनियर सदाचार के नियमों को । ताक मे रख कर । लालच और स्वार्थ के वशीभूत होकर । प्रोजेक्ट के । घटिया निर्माण को । रिस्वत लेकर मंजूरी दे देते है ।
5. जिसके कारण प्रोजेक्ट निर्माण । समय से पहले धाराशाई हो जाता है । जिसके कारण बहुत से । बेगुनाह लोग मारे जाते है । प्रोजेक्ट निर्माण समय से पहले । धाराशाई होने पर । जन धन दोनो की हानि होती है ।
6. सरकारी इंजीनियरों के सदाचार के नियमों को ताक मे रख कर । लालच और स्वार्थ के वशीभूत होकर । प्रोजेक्ट के घटिया निर्माण को रिस्वत लेकर मंजूरी देने पर । जन धन दोनो की हानि रोकना अति आवस्यक है ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टेटेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।
5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

इंजीनियर सरकारी

6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नहीं मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
12. किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्र्योंओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नहीं ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

जीसियो नियम फार्मूला सरकारी कर्मचारी

1. सरकारी विभाग के । कर्मचारियों को । सिर्फ पी कार्ड मिलेगा । पी कार्ड के अतरिक्त । कोई भी अन्य कार्ड नही मिलेगा ।
2. सरकारी विभाग के कर्मचारियों को अन्य कार्ड नही मिलेगें ।
3. सिर्फ सरकारी वकील को । पी कार्ड के अतरिक्त । ए कार्ड यानी अदालत कार्ड मिलेगा ।
4. सरकारी कर्मचारियों के पी कार्ड मे । सरकारी एन कार्ड के । वेतन के अतरिक्त । कोई और धन । अंकित नही होगा ।
5. यदि सरकारी कर्मचारी को । किसी भी शुभ प्रसंगो मे । कोई उपहार धन मिलता है । तो उपहार धन देने वाले के कार्ड से । सरकारी कर्मचारी के । पी कार्ड मे अंकित होगा ।
6. सरकारी विभाग के कर्मचारी के पी कार्ड मे । वेतन । सरकारी विभाग के एन कार्ड से । हर महीने + होगा । यानि आयेगा ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

मेरा भारत महान

इंजीनियर सरकारी

7. सरकारी विभाग के कर्मचारी के पी कार्ड मे । वेतन से ही । अपना और अपने परिवार का । हित और भरण पोषण करेगें ।

सरकारी कर्मचारी को घर

1. पी कार्ड धारक । भारत के प्रत्येक नागरिक को । सरकारी मदद भूमी । 1 किचेन । 1 बेड रूम । 1 हाल । 1 बाथरूम का । 400 स्क्वायर फिट का । 1 घर मिलेगा । जिस पर पी कार्ड धारक का । आजीवन अधिकार होगा ।
2. सरकारी मदद भूमि । 1 किचेन । 1 बेड रूम । 1 हाल । 1 बाथरूम का । 400 स्क्वायर फिट के घर का । पी कार्ड धारक नागरिक को । भारत सरकार को । कोई भाडा । कोई किराया । य कोई कीमत । नही देना होगा ।
3. पी कार्ड धारक भारतीय नागरिक । उस घर पर । परिवार रख सकता है । रिस्तेदरों । और दोस्तों । को बुला सकता है ।
4. पी कार्ड धारक । भारत के प्रत्येक नागरिक को । सरकारी मदद भूमी । 1 किचेन । 1 बेड रूम । 1 हाल । 1 बाथरूम का । 400 स्क्वायर फिट का । 1 ही घर मिलेगा । इतना ही वैध होगा ।
5. इससे अधिक अवैध । घर । बंगला । कोठी । जमीन । दुकान। प्लाट । फ्लैट । खेती जमीन पर । भारत सरकार का अधिकार होगा ।

1. सरकारी इंजीनियर के सामने । यदि रिस्वत के रूप मे । भारत की पूरी सम्पत्ती रख दी जाये । किसी घटिया प्रोजेक्ट को पास करने के लिए ।
2. तो भी इंजीनियर । रिस्वत लेकर घटिया प्रोजेक्ट को पास नही कर सकता ।

जय विश्व अग्रणी भारत की

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L